प्राथमिक स्तर पर अध्यापनरत् शिक्षकों की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण का सहसम्बन्धात्मक अध्ययन

अवधेश कुमार

शोध छात्र (शिक्षाशास्त्र)
नेहरू ग्राम भारती डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी,
इलाहाबाद।

प्रस्तावना–

किसी भी देश की शिक्षा प्रणाली की सफलता अधिकांशतः उस देश के शिक्षकों की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता पर निर्भर करती है। शिक्षकों का उत्तरदायित्व कक्षा में पाठ्य या विषय–वस्तु का शिक्षण ही नहीं वरन् राष्ट्र की चिंतनधारा को बदलने की शक्ति, व्यवसाय, चुनाव, सामाजिक जागरूकता, समाज व देश का विकास पाठ्य सहगामी क्रियाएं नवीन तकनीक की जानकारी देना भी उसका कर्तव्य है।

वर्तमान समय में शिक्षित बेरोजगारी बढ़ने तथा अन्य विकल्प न मिलने पर विवश होकर व्यक्ति अध्यापन कार्य करने लगे हैं। विवशतावश शिक्षक बन जाने पर भी उनके सामने कुछ ऐसे कारक उत्पन्न हो जाते हैं, जिससे उनकी शिक्षण प्रभावशीलता प्रभावित होती है। उनकी योग्यता क्षमतानुसार उचित पद, सेवा सुरक्षा, वेतन, कार्य दशाएं प्राप्त साधन–सुविधाएं, वातावरण, संगठन का अभाव, सहयोगियों, प्रधानाचार्य, प्रबन्धकों के साथ उचित मानवीय सम्बन्धों के अभाव आदि के कारण शिक्षक कुंठित रहते है। परिणामस्वरूप वह अपने शिक्षण कार्य के साथ चाहकर भी न्याय नहीं कर पाते है। अतः उचित पर्यावरण एवं सहयोगात्मक व्यवहार न मिलने से शिक्षकों में अनेक मनोवैज्ञानिक समस्यायें उत्पन्न हो जाती है। ऐसी परिस्थितियों में शिक्षक प्रभावपूर्ण शिक्षण करने में सक्षम नहीं हो पाते है। वे अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों का पालन उचित प्रकार से नहीं कर सकेंगे साथ ही शिक्षक विद्यार्थियों को उनके परिवार, समाज व देश के प्रति दायित्वों की जानकारी प्रदान करने में सक्षम नहीं हो सकेंगे, जिसका प्रभाव पूरे शिक्षण एवं राष्ट्र पर पड़ता है। इसलिए एक कुशल एवं प्रभावपूर्ण शिक्षक के लिए अपने व्यवसाय के प्रति संतुष्टि का होना अति आवश्यक है।

कार्य सन्तुष्टि का दूसरा आधार भौतिकता है। आधुनिक युग में भौतिक सुख एवं समृद्धि को सन्तोष का कारक माना गया है। यह मत विवादास्पद हो सकता है। क्योंकि इस अर्थ–प्रधान समाज में व्यक्ति सबसे अधिक असन्तुष्ट दिखाई पड़ता है। अमेरिकी समाज में अधिकांशतः यह देखने को मिलता है कि जो भौतिक रूप से सर्वाधिक सम्पन्न है वह मानसिक रूप से सर्वाधिक असन्तुष्ट है। लेकिन भौतिकता का सन्तोष से अटूट रिश्ता है। सन्तुष्टि के लिए आवश्यक है, मनुष्य रोटी, कपड़ा, मकान अथवा आने वाले कल की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति केवल भौतिक स्तर पर ही सम्भव है।

Scanned with CamScanner

संक्षेप में कार्य सन्तुष्टि मुख्यतः दो आधारों पर प्राप्त हो सकती है। व्यक्ति को उसकी प्रकृति, स्वभाव, रूचि अथवा इच्छा के अनुरूप कार्य मिला हो तथा दूसरा उसको अपने व्यवसाय से कम से कम इतनी धन सुविधाएं अथवा वेतन मिलता हो जो उस समाज में औसतन स्तर के व्यक्ति अथवा परिवार के जीवन–यापन के लिए आवश्यक हो।

उचित पर्यावरण एवं सहयोगात्मक व्यवहार न मिलने से शिक्षकों में अनेक मनोवैज्ञानिक समस्यायें उत्पन्न हो जाती है। ऐसी परिस्थितियों में शिक्षक प्रभावपूर्ण शिक्षण करने व अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों का पालन उचित प्रकार से नहीं कर पाते साथ ही शिक्षक विद्यार्थियों को उनके परिवार, समाज व देश के प्रति दायित्वों की जानकारी प्रदान करने में सक्षम न होने से, इसका प्रभाव पूरे शिक्षण एवं राष्ट्र पर पड़ता है। इसलिए एक कुशल एवं प्रभावपूर्ण शिक्षक के लिए अपने व्यवसाय के प्रति संतुष्टि का होना अति आवश्यक है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की कार्य–संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के बीच सहसम्बन्ध होता हैं। प्राथमिक स्तर पर नियुक्त शिक्षकों को कभी–कभी अन्तर्राजनपदीय विद्यालयों में पढ़ाने के भेज दिया जाता है, तो कभी शिक्षकों की नियुक्ति उनके ही जिले में होती है लेकिन घर से इतनी दूर की वे आने–जाने में एवं शिक्षण कार्य में सारा समय लग जाता है जिससे वे अपने परिवार की तरफ ध्यान नही दे पाते है। कुछ अन्य कारणों जैसे पति–पत्नी दोनों शिक्षक होने की दशा में अलग–अलग जिले में नियुक्ति होने पर भी उनके कार्य–संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के बीच नकारात्मक सहसम्बन्ध होता है।

अतः अध्ययनकर्त्ता द्वारा इस विषय पर अध्ययन कर दोनों के बीच सम्बन्ध को देखने का प्रयास किया है।

समस्या कथन–

''प्राथमिक स्तर पर अध्यापनरत् शिक्षकों की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण का सहसम्बन्धात्मक अध्ययन''।

अध्ययन का उद्देश्य

निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है–

1. प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
2. प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
3. प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया किया है–

1. प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध है।

Scanned with CamScanner

2. प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध है।
3. प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध है।

शोध प्रविधि–

प्रस्तुत अध्ययन में शोध विधि के रूप में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। न्यादर्श के चयन उद्देश्यपरक विधि से प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया गया है तत्पश्चात् न्यादर्श में कुल 100 शिक्षक–शिक्षिकाओं का चयन किया यादृच्छिक विधि से कर जिसमें से 50 शिक्षक एवं 50 शिक्षिकाएँ सम्मिलित किया गया है। शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि को मापने के लिए डॉ0 मीरा दीक्षित द्वारा निर्मित कार्य सन्तुष्टि मापनी (Job Satisfaction Scale) तथा हरप्रीत भाटिया एवं एन.के. चढ्ढा द्वारा निर्मित पारिवारिक वातावरण मापनी का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए पियर्सन आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

उद्देश्य–1 प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

H_{01} प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

तालिका 1

प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का मान

क्रमांक	समूह	सहसम्बन्ध गुणांक का मान	स्वतंत्र्यांश (N-2)	सार्थकता स्तर
1.	शिक्षक–शिक्षिकाओं	0.3216	98	सार्थक

यह प्राक्कल्पित किया गया कि 'प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।' तालिका 1 से स्पष्ट है कि प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.2836 है जो 98 स्वतंत्र्यांश के लिए 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु आवश्यक मान 0.197 से अधिक है। यह मान 0.05 स्तर पर सार्थक है व शून्य परिकल्पना अस्वीकार्य है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

Scanned with CamScanner

शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया यह दर्शाता है कि दोनों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति, अभिक्षमता, दक्षता एवं वेतन में समानता होना इस का कारण हो सकता है।

उद्देश्य–2 प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

H_{02} प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

तालिका 2

प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का मान

क्रमांक	समूह	सहसम्बन्ध गुणांक का मान	स्वतंत्र्यांश (N-2)	सार्थकता स्तर
1.	शिक्षक	0.2836	58	सार्थक

यह प्राक्कल्पित किया गया कि 'प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।' तालिका 2 से स्पष्ट है कि प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.2836 है जो 58 स्वतंत्र्यांश के लिए 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु आवश्यक मान 0.273 से अधिक है। यह मान 0.05 स्तर पर सार्थक है व शून्य परिकल्पना अस्वीकार्य है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाये जाने का कारण उनकी शिक्षण अवधि का कम होना एवं व्यवसायिक कार्य के साथ अपने परिवार को ज्यादा से ज्यादा समय देना उनके सम्बन्ध का कारण हो सकता है।

उद्देश्य–3 प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

H_{03} प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

तालिका 3

प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का मान

क्रमांक	समूह	सहसम्बन्ध गुणांक का मान	स्वतंत्र्यांश (N-2)	सार्थकता स्तर
1.	शिक्षक	0.3619	58	सार्थक

Scanned with CamScanner

यह प्राक्कल्पित किया गया कि 'प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।' तालिका 3 से स्पष्ट है कि प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.3619 है जो 58 स्वतंत्र्यांश के लिए 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु आवश्यक मान 0.273 से अधिक है। यह मान 0.05 स्तर पर सार्थक है व शून्य परिकल्पना अस्वीकार्य है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

दोनों चरों के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध का पाया जाना इस बात को इंगित करता है शिक्षिकाएँ अपने व्यवसाय से सन्तुष्टि होने के साथ–साथ अपने परिवार को भी पूरा समय देना एवं उनके परिवारिक सामंजस्य उच्च होना।

निष्कर्ष–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये–

- प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
- प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
- प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1. गुप्ता, नदीम एवं अन्य (2013). स्टडी ऑफ पर्सनालिटी एडजेस्टमेन्ट एण्ड जॉब सेटिसफेक्शन ऑफ रूरल एवं अर्बन सेकेण्डरी स्कूल टीचर, स्टैण्डर्ड जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड एसे, वाल्यूम–1(1), पृ0 25–28, online http://standrsjournals.org
2. सरिता राय (1984–85). ''बी0एड0 प्रशिक्षाणार्थियों का सामाजिक आर्थिक स्तर एवं उनका पारिवारिक सम्बन्ध'' एम0एड0 डिजर्टेशन, डी0ई0आई0 डीम्ड यूनिवर्सिटी दयालबाग, आगरा, 1984–85।
3. सक्सेना, निर्मल (1990). शिक्षण व्यवसाय में कृत्य–संतोष को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन, पी–एच0डी0, एजुकेशन, आगरा विश्वविद्यालय, एम0बी0 बुच, फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन, पृ0 1479
4. सिंह, डॉ0 गजब एवं दीक्षित, नीलम (2013). महाविद्यालयों में शिक्षणरत् अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं का व्यवसाय संतोष का तुलनात्मक अध्ययन, जर्नल ऑफ एकेडेमी रिसर्च, A Multidiciplinary Peer-Reviewed Journal, ISSN (O) 2395-1311
5. सिंह, अरुन कुमार (2010), ए स्टडी ऑफ एकेडेमी रिकार्ड, एडजेस्टमेन्ट एण्ड एटीट्यूड एस कोरिलेट्स ऑफ जॉब सेटिसफेक्शन एमंग द सेन्ट्रल स्कूल टीचर्स ऑफ इर्स्टन यू0पी0, इण्डियन एजूकेशनल रिव्यू, वाल्यूम–47, नं0 2, पृ0 101–114

Scanned with CamScanner